नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थपित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

रत्नमाला बोरकर की स्मृति में बोरकर परिवार की ओर से

हिंदी विश्वविद्यालय को दिए एक लाख ग्यारह हजार रुपये

स्नातकोत्तर के विद्यार्थी को मिलेगा स्वर्ण पदक,पांच हजार रुपये तथा प्रमाण पत्र

वर्धा, दि. 20 नवंबर 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में सेवारत डॉ. रविंद्र तुकाराम बोरकर के परिवार की ओर से उनकी माता जी स्मृतिशेष सौ. रत्नमाला तुकाराम बोरकर की स्मृति में विश्वविद्यालय को 1,11,000/- (एक लाख ग्यारह हजार रुपये) का चेक दि.15 नवंबर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को प्रदान किया। इस राशि से विश्वविद्यालय के सभी विद्यापीठों के स्नातकोत्तर पाठयक्रमों में से अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को सर्वोदया रत्नमाला तु. बोरकर स्मृति स्वर्ण पदक, प्रमाण-पत्र एवं राशि रुपये 5,000/- प्रदान करने का अनुरोध

किया गया है। डॉ. बोरकर की माता जी सर्वोदया सौ.रत्नमाला तु.बोरकर ने महाराष्ट्र सरकार के प्राथमिक शिक्षा विभाग में 33 वर्ष शिक्षक के रूप में अचलपुर-परतवाडा क्षेत्र में सेवाएं प्रदान की है। उनकी स्मृति में दी गयी इस राशि को विन्यास निधि के रूप में बैंक में जमा रख कर उससे हर वर्ष प्राप्त होने वाले ब्याज से एक छात्र या छात्रा को हर वर्ष पुरस्कृत किया जाएगा। विश्वविद्यालय को उक्त राशि का चेक और पत्र श्री तुकारामजी मा.बोरकर, अमरावती के करकमलों द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को कुलपति कक्ष में प्रदान किया गया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, डॉ. रविंद्र बोरकर के पिता जी श्री तुकारामजी बोरकर, भाई विनोद बोरकर,संजय बोरकर, राजेंद्र बोरकर तथा जनसंपर्क अधिकारी बी. एस.मिरगे उपस्थित थे। बोरकर परिवार, अमरावती की इस पहल का विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत किया गया है।